1. **वह प्रक्रिया जिसमें जल लगातार अपना रूप बदलता रहता है और महासागर, वायुमंडल तथा स्थल के बीच चक्कर लगाता रहता है, क्या कहलाती है?**
   A. वाष्पीकरण
   B. वर्षण
   C. जल चक्र
   D. संघनन (C)

व्याख्या : जल के निरंतर घूमते हुए रूपांतरण की पूरी प्रक्रिया को जल चक्र कहा गया है।

2. **सूर्य के ताप के कारण जल का वाष्प में बदलना क्या कहलाता है?**
   A. संघनन
   B. वर्षण
   C. वाष्पीकरण
   D. अपवाह (C)

व्याख्या : सूर्य की ऊष्मा से जल वाष्प में बदलता है, जिसे वाष्पीकरण कहते हैं।

3. **वाष्प ठंडा होकर जल की बूंदों में बदलने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं?**
   A. वर्षा B. संघनन
   C. अपवाह D. हिमनदन (B)

व्याख्या : ठंडी होने पर जलवाष्प का तरल बूंदों में बदलना संघनन है।

4. **पृथ्वी की सतह का लगभग कितना भाग जल से ढका हुआ है?**
   A. आधा
   B. एक-चौथाई
   C. दो-तिहाई
   D. तीन-चौथाई (D)

व्याख्या : पृथ्वी की सतह का लगभग तीन-चौथाई भाग जल से ढका है।

5. **पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल में मीठे जल की मात्रा लगभग कितनी है?**
   A. 50% B. 10%
   C. 2–3% D. 25% (C)

व्याख्या : कुल जल का बहुत छोटा भाग ही मीठा जल है, जो लगभग 2–3% है।

6. **महासागरों और समुद्रों का जल पीने योग्य क्यों नहीं होता?**
   A. उसमें जीवाणु होते हैं
   B. वह बहुत ठंडा होता है
   C. उसमें अधिक लवण होते हैं
   D. उसमें ऑक्सीजन नहीं होती (C)

व्याख्या : समुद्री जल में लवणों की मात्रा अधिक होने के कारण वह पीने योग्य नहीं होता।

7. **नदियाँ, झीलें और तालाब किस प्रकार के जल के स्रोत हैं?**
   A. खारा जल
   B. लवणीय जल
   C. मीठा जल
   D. खनिज जल (C)

व्याख्या : नदियाँ, झीलें और तालाब मीठे जल के प्रमुख स्रोत हैं।

8. **मृत सागर में मनुष्य आसानी से तैर क्यों सकता है?**
   A. जल उथला होने के कारण
   B. जल में लवणता अधिक होने के कारण
   C. जल गर्म होने के कारण
   D. जल मीठा होने के कारण (B)

व्याख्या : मृत सागर के जल में लवणता बहुत अधिक होती है, जिससे तैरना आसान हो जाता है।

9. **दिन में दो बार समुद्र के जल का नियमित रूप से उठना और गिरना क्या कहलाता है?**
   A. तरंगें
   B. धाराएँ
   C. ज्वार-भाटा
   D. अपवाह (C)

व्याख्या : समुद्री जल के नियमित उठने-गिरने की प्रक्रिया ज्वार-भाटा कहलाती है।

10. **महासागरीय धाराएँ क्या होती हैं?**
    A. समुद्र की स्थिर जलराशि
    B. निश्चित दिशा में बहने वाला समुद्री जल
    C. समुद्र की सतह पर बनने वाली तरंगें
    D. ज्वार के समय उठने वाला जल (B)

व्याख्या : महासागरीय धाराएँ समुद्र की सतह पर निश्चित दिशा में बहने वाला जल होती हैं।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download MissionGyan App